विधान परिषद के द्वितीय सत्र, 2023 के प्रथम मंगलवार हेतु निर्धारित श्री भीमराव अम्बेडकर, मा0 सदस्य, विधान परिषद द्वारा पूछे गए अतारांकित प्रश्न संख्या-22 का उत्तर

प्रश्न	**उत्तर**
22. (क) क्या कृषि मंत्री बतायेंगे कि प्रदेश में फसलों के संरक्षण की व्यवस्था की जाती है?	जी हॉ।
(ख) यदि हॉ, तो फसल संरक्षण की कार्ययोजना एवं नीति को सदन की मेज पर रखेंगे?	जी हॉ । कृषि विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा फसल संरक्षण निम्नलिखित कार्ययोजना एवं नीति बनाकर किया जाता है- 1- क़षि रक्षा अनुभाग द्वारा राज्य पोषित " विभिन्न पारिस्थितिकीय संसाधनों द्वारा कीट/रोग नियंत्रण योजना" संचालित की जा रही है, जिसके अन्तर्गत फसल संरक्षण हेतु कृषकों को निम्नलिखित सुविधाएं अनुमन्य है- • समस्त कृषकों को बायोपेस्टीसाइडस/बायोएजेंट्स 75 प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध कराया जाता है। • समस्त कृषकों को बीज शोधन हेतु बीजशोधक रसायनों को 75 प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध कराया जाता है। • फसलों में कीट, रोग एवं खरपतवारों के नियंत्रण हेतु कृषकों को कृषि रक्षा रसायन 50 प्रतिशत अनुदान पर दिया जाता है। • कृषि रक्षा यंत्रों तथा सुरक्षित अन्न भंडारण हेतु बखारियों पर कृषकों को 50 प्रतिशत अनुदान दिया जाता है। • बायोपेस्टीसाइडस/ बायोएजेंट्स एवं आई0पी0एम0 को बढ़ावा देने हेतु कृषकों को किसान खेत स्कूल के माध्यम से प्रशिक्षण-कम-प्रदर्शन द्वारा कीट, रोग एवं खरपतवार नियंत्रण के प्रति जागरूक किया जाता है। • कृषकों की फसल संरक्षण सम्बन्धी

समस्याओं के निदान हेतु **'सहभागी फसल निगरानी एवं निदान प्रणाली (पीसीएसआरएस)'** कार्यक्रम क्रियान्वित किया जा रहा है, जिसके अन्तर्गत आवंटित दो मोबाइल नम्बरों यथा 9452247111 एवं 9452257111 पर कृषक अपनी फसल सम्बन्धी समस्याओं की फोटो खींचकर मैसेज/व्हाट्एप्प पर प्रेषित करते हैं, प्रेषित समस्याओं का 48 घन्टे की समय सीमा में समाधान किया जाता है।

2. जनपदीय अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा फसलों को कीट, रोग एवं खरपतवारों से बचाव हेतु नियमित कीट/रोग सर्वेक्षण का कार्य किया जाता है।

3. फसलों में कीट, रोग एवं खरपतवार के प्रकोप की सम्भावना के दृष्टिगत कृषकों को गोष्ठियों, मेलों, समय-समय पर कार्यशालाओं का आयोजन, एडवाइजरी, साहित्य एवं दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशन के माध्यम से जागरूक किया जाता है।

(ग) क्या फसलों के पर्याप्त संरक्षण की व्यवस्था हेतु उक्त योजना में तकनीकी दृष्टि से सुधार करायेंगे?

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

(घ) यदि हॉ, तो कब तक?

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

(ड.) यदि नहीं, तो क्यों?

(ड.) प्रश्न नहीं उठता।

सूर्य प्रताप शाही
कृषि मंत्री।